भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 5851
उत्तर देने की तारीख 30.03.2026

गांवों का सांस्कृतिक मानचित्रण

5851. श्री तनुज पुनिया :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने देश में गांवों का सांस्कृतिक मानचित्रण शुरू कर दिया है;

(ख) यदि हाँ, तो इस तरह के मानचित्रण के लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;

(ग) सांस्कृतिक मानचित्रण के लिए उत्तर प्रदेश से चुने गए गांवों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने उक्त मानचित्रण का डाटा बेस तैयार किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) चिन्हित गांवों की संस्कृतियों, परम्पराओं, कला रूपों आदि के संरक्षण और संवर्धन के लिए उठाए जाने वाले परवर्ती कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): जी हां। संस्कृति मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन (एनएमसीएम) के अंतर्गत देश भर के गाँवों के सांस्कृतिक मानचित्रण का कार्य किया जा रहा है।

(ख): एनएमसीएम के लक्ष्य और उद्देश्य इस प्रकार हैं :

i. समृद्ध भारतीय कला और सांस्कृतिक विरासत की कड़ियों को परिरक्षित करने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करना और उसको पूरा करना।

ii. व्यापक आधारभूत सर्वेक्षण और प्रलेखन की सहायता से सांस्कृतिक मानचित्रण के द्वारा एक राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करना।

iii. देश के समस्त कलाकार समुदाय की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए तंत्र तैयार करना।

iv. इस देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भावी पीढ़ियों के लिए परिरक्षित, सुरक्षित, पुनः प्रचलित और प्रसारित करना।

v. डिजिटल प्लेटफॉर्म और आउटरीच कार्यकलापों की सहायता से पूरे देश में सुदृढ़ 'सांस्कृतिक जीवंतता' उत्पन्न करना।

(ग): उत्तर प्रदेश में एमजीएमडी के अंतर्गत 1,10,878 गाँवों को मानचित्रण के लिए लक्षित किया गया है।

(घ): जी हां। 'मेरा गाँव मेरी धरोहर' (एमजीएमडी) पोर्टल को डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया गया है, ताकि भारत भर के गाँवों से एकत्र किए गए सांस्कृतिक डेटा को व्यवस्थित प्रारूप में संकलित और प्रस्तुत किया जा सके। यह पोर्टल सार्वजनिक डोमेन में https://mgmd.gov.in/ पर उपलब्ध है।

एनएमसीएम के अंतर्गत मेरा गाँव मेरी धरोहर (एमजीएमडी) कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न प्रकार के मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक घटकों को दर्ज किया जाता है जिसमें पूरे भारत के ग्राम स्तरीय विरासत स्थल, कला रूप, प्रमुख कलाकार, वाचिक परंपराएँ, आस्थाएं और रीति-रिवाज, ऐतिहासिक महत्व, स्थानीय प्रसिद्ध स्थल, मेले और पर्व, पारंपरिक पोशाकें, आभूषण और पारंपरिक भोजन शामिल हैं। वर्तमान में एमजीएमडी पोर्टल पर 6.23 लाख विशिष्ट ग्राम प्रोफाइल उपलब्ध हैं।

(ड.): एमजीएमडी की परिकल्पना एक डिजिटल सांस्कृतिक संग्रह के रूप में की गई है जो गांवों के प्रोफाइल और अनोखी ग्रामीण संस्कृतियों के दृश्य-श्रव्य प्रलेखन के माध्यम से सांस्कृतिक डेटा को दर्ज करता है ताकि भावी पीढ़ियों के लिए ग्रामीण विरासत को परिरक्षित किया जा सके।

*****